भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1275

दिनांक 09 फरवरी, 2024 को उत्तर के लिए

मध्य प्रदेश में कुपोषण पर काबू पाने के लिए पहल

1275. श्री गजेन्द्र उमराव सिंह पटेल:

क्या **महिला और बाल विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी किः

(क) क्या महिला और बाल विकास से संबंधित कोई नई योजना आरम्भ किए जाने का प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) यदि नहीं, तो इस योजना को कब तक आरम्भ किए जाने की सम्भावना है;
(ग) मध्य प्रदेश में कुपोषण में कितने प्रतिशत की गिरावट आई है;
(घ) सरकार द्वारा आरम्भ की जा रही विभिन्न संबंधित योजनाओं और पहलों के लाभार्थियों का जिला-वार ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या सरकार द्वारा कुपोषण पर काबू पाने के लिए जनजातीय बहुल जिलों में कोई व्यापक योजना आरम्भ किए जाने का प्रस्ताव है; और
(च) उक्त राज्य में कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए गैर- सरकारी संगठनों द्वारा की जा रही पहलों का जिला-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

महिला एवं बाल विकास मंत्री

(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क) से (च): सरकार ने कुपोषण के मुद्दे को उच्च प्राथमिकता दी है और पोषण से संबंधित विभिन्न पहलुओं का समाधान करने के लिए राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों के माध्यम से विभिन्न मंत्रालयों/विभागों की कई स्कीमों/कार्यक्रम का कार्यान्वयन कर रही है। 15वें वित्त आयोग के कार्यकाल में, 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं, किशोरियों (14 - 18 वर्ष) के लिए पोषण संबंधी सहायता के घटक; प्रारंभिक बाल्यवस्था देखरेख और शिक्षा [3-6 वर्ष]; आधुनिक, उन्नत सक्षम आंगनवाड़ी, पोषण अभियान और किशोरियों की स्कीम सहित आंगनवाड़ी बुनियादी ढांचे को मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 (मिशन पोषण 2.0) के तहत पुनर्गठित किया गया है। मिशन पोषण 2.0 में ठिगनापन और रक्ताल्पता के अलावा दुबलेपन और कम वजन के प्रसार को कम करने के उद्देश्य से मातृ पोषण, शिशु और छोटे बच्चे के आहार मानदंड, एमएएम/एसएएम के उपचार और आयुष प्रथाओं के माध्यम से भलाई पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 एक केंद्र प्रायोजित योजना है और इसे जनजातीय बहुल जिलों सहित देश के सभी जिलों को शामिल करते हुए सभी 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में कार्यान्वित की जा रही है। इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन में कोई गैर-सरकारी संगठन शामिल नहीं है।

मिशन पोषण 2.0 के तहत अनुशंसित आहार सेवन की तुलना में सेवन में अंतर को पाटने के लिए देश भर में स्थित 13.97 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से लाभार्थियों को वर्ष में 300 दिन पूरक पोषण प्रदान किया जाता है। महिलाओं और बच्चों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता को पूरा करने और रक्ताल्पता को नियंत्रित करने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों को केवल फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति की जा रही है। 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों पर पका हुआ गर्म भोजन और टेक होम राशन (टीएचआर - कच्चा राशन नहीं) तैयार करने के लिए बाजरे के उपयोग पर अधिक जोर दिया जा रहा है।

पोषण 2.0 के उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- देश के मानव पूंजी विकास में योगदान देना;
- कुपोषण की चुनौतियों का समाधान;
- स्थायी स्वास्थ्य और सकुशलता के लिए पोषण जागरूकता और अच्छी खान-पान की आदतों को बढ़ावा देना; और
- प्रमुख कार्यनीतियों के माध्यम से पोषण संबंधी कमियों को दूर करना।

पोषण गुणवत्ता में सुधार और मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में परीक्षण, वितरण को सुदृढ़ करने तथा शासन में सुधार के लिए पोषण ट्रैकर के तहत प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए कदम उठाए गए हैं। राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को कुपोषण और संबंधित बीमारियों की रोकथाम के लिए आयुष प्रणालियों के उपयोग को बढ़ावा देने की सलाह दी गई है। पोषण संबंधी प्रथाओं में पारंपरिक ज्ञान का लाभ उठाते हुए आहार में विविधता के अंतर को पाटने करने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण वाटिकाओं के विकास का समर्थन हेतु एक कार्यक्रम भी शुरू किया गया है।

पोषण 2.0 के तहत पोषण शुरू की गई प्रमुख गतिविधियों में से एक सामुदायिक गतिशीलता और जागरूकता का पक्ष समर्थन है जो लोगों को पोषण संबंधी पहलुओं पर शिक्षित करने के लिए जन आंदोलन की ओर ले जाती है। महत्वपूर्ण विषयों पर क्षेत्रीय भाषाओं में वीडियो, पैम्फलेट, फ़्लायर्स इत्यादि के रूप में आईईसी सामग्री भी विकसित की गई है। अब तक विभिन्न मंत्रालयों/विभागों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर समुदाय आधारित कार्यक्रम, पोषण माह और पोषण पखवाड़ा आयोजित करके सामाजिक और व्यवहारिक परिवर्तन लाए गए हैं। राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा क्रमशः सितंबर और मार्च-अप्रैल के महीनों में मनाए गए 11 पोषण माह और पोषण पखवाड़ा के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रमों के तहत 90 करोड़ से अधिक संवेदीकरण कार्यकलाप दर्ज किए गए हैं। समुदाय आधारित आयोजनों (सीबीई) ने पोषण प्रथाओं को बदलने में एक महत्वपूर्ण कार्यनीति के रूप में काम

किया है। सीबीई, गर्भवती महिलाओं और दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों के जीवन में महत्वपूर्ण उपलब्धियों को समारोह पूर्वक मनाने और अन्य बातों के साथ-साथ आहार में विविधता सहित उचित पूरक आहार सुनिश्चित करने के लिए सही समय पर महत्वपूर्ण जानकारी का प्रसार करने में मदद करता है। अब तक लगभग 3.70 करोड़ समुदाय आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं।

आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण वितरण सहायता प्रणालियों को सुदृढ़ करने और पारदर्शिता लाने के लिए आईटी प्रणालियों का लाभ उठाया गया है। 'पोषण ट्रैकर' एप्लिकेशन 1 मार्च, 2021 को एक महत्वपूर्ण शासन उपकरण के रूप में शुरू किया गया था। पोषण ट्रैकर परिभाषित संकेतकों पर सभी आंगनवाड़ी केंद्रों, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों और लाभार्थियों की निगरानी और ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान करता है। बच्चों में ठिगनापन, दुबलापन, कम वज़न की व्याप्तता की सक्रिय पहचान के लिए पोषण ट्रैकर के तहत प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया जा रहा है।

इसके अलावा पोषण 2.0 के तहत पहली बार एक डिजिटल क्रांति की शुरुआत हुई जब आंगनवाड़ी केंद्र मोबाइल उपकरणों से लैस किए गए थे। मोबाइल एप्लिकेशन ने आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले भौतिक रजिस्टरों के डिजिटलीकरण और स्वचालन की भी सुविधा प्रदान की है जो उनके काम की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करता है। पोषण ट्रैकर हिंदी और अंग्रेजी सहित 22 भाषाओं में उपलब्ध है। इसने आंगनवाड़ी सेवाओं जैसे दैनिक उपस्थिति, ईसीसीई, पका हुआ गर्म भोजन (एचसीएम) / टेक होम राशन (टीएचआर-कच्चा राशन नहीं), विकास की माप इत्यादि के लिए वास्तविक समय आंकड़ों संग्रह की सुविधा प्रदान की है। ऐप प्रमुख व्यवहार और सेवाओं पर परामर्श वीडियो भी प्रदान करता है जो जन्म की तैयारी, प्रसव, प्रसवोत्तर देखरेख, स्तनपान और पूरक आहार पर संदेश प्रसारित करने में मदद करती हैं। राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र मासिक आधार पर पोषण ट्रैकर डैशबोर्ड पर विभिन्न संकेतकों के माध्यम से अपनी प्रगति देख सकते हैं और जहां भी आवश्यक हो, सुधार कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने संयुक्त रूप से गंभीर कुपोषित बच्चों की रोकथाम और उपचार के लिए सामुदायिक कुपोषण प्रबंधन (सीएमएएम) संबंधी प्रोटोकॉल जारी किया है, जिससे संबंधित रुग्णता और मृत्यु दर को कम किया जा सके। समुदाय-आधारित दृष्टिकोण में समुदाय में गंभीर कुपोषित बच्चों का समय पर पता लगाना और जांच करना, बिना चिकित्सीय जटिलताओं वाले बच्चों के लिए घर पर पौष्टिक, स्थानीय पौष्टिक भोजन और सहायक चिकित्सा देखरेख सहित प्रबंधन शामिल है। चिकित्सीय जटिलताओं वाले कुपोषित बच्चों को सुविधा-आधारित देखभाल के लिए भेजा जाता है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) में कुपोषण के संकेतकों जैसे कम वजन, ठिगनापन और दुर्बलता में लगातार सुधार देखा गया है। एनएफएचएस-5 (2019-21) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, मध्यप्रदेश में एनएफएचएस-4 (2015-16) की तुलना में 5 साल से कम उम्र के बच्चों के पोषण संकेतकों में सुधार हुआ है। बौनापन 42.0% से

घटकर 35.7% हो गया है, जबकि दुबलापन 25.8% से घटकर 19.0% हो गई है और कम वजन की व्याप्तता 42.8% से घटकर 33% हो गई है।

दिसंबर, 2023 के पोषण ट्रैकर के आंकड़ों के अनुसार मध्यप्रदेश में 6 साल से कम उम्र के लगभग 67.03 लाख बच्चों की माप ली गई, जिनमें से 39% ठिगने पाए गए और 24% कम वजन वाले और 5 साल से कम उम्र के 6% बच्चे दुबले पाए गए। पोषण ट्रैकर से प्राप्त कम वजन और दुबलापन का स्तर एनएफएचएस 5 द्वारा अनुमानित स्तर से काफी कम है। मिशन पोषण 2.0 के तहत मध्य प्रदेश में लाभार्थियों का जिलेवार विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है।

इसके अलावा, 15 नवंबर 2023 को माननीय पीएम द्वारा पीएम जनमन (प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान) नामक एक पहल शुरू की गई है। मिशन का उद्देश्य 18 राज्यों और एक संघ राज्य क्षेत्र में रहने वाले 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) का लक्षित विकास करना है। तीन वित्तीय वर्षों अर्थात् 2023-24, 2024-25, और 2025-26 में 12 लाख रुपये प्रति आंगनवाड़ी केन्द्र की दर से कुल 2500 आंगनवाड़ी केन्द्रों का निर्माण किए जाने का प्रस्ताव है। चालू वित्त वर्ष के दौरान, पीएम जनमान योजना के साथ सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के अभिसरण में पीवीटीजी क्षेत्रों में कुल 916 आंगनवाड़ी केंद्रों को आवंटित/पुन: आवंटित किया गया है।

इसके अलावा, भारत सरकार गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) कार्यान्वित कर रही है ताकि मां और बच्चे के स्वास्थ्य और पोषण में सुधार के साथ-साथ मजदूरी हानि, यदि कोई हो, के मुआवजे में सुधार किया जा सके। पीएमएमवीवाई के तहत मध्य प्रदेश राज्य में लाभार्थियों की जिलेवार संख्या **अनुलग्नक-II** में दी गई है।

अनुलग्नक-I

"मध्य प्रदेश में कुपोषण से निपटने के लिए पहल" के संबंध में दिनांक 09.02.2024 को लोकसभा सभा में श्री गजेन्द्र सिंह पटेल द्वारा पूछे गए अतारांकित प्रश्न संख्या 1275 के भाग (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

मध्य प्रदेश में लाभार्थियों का जिलेवार विवरण*

जिला	कुल लाभार्थी	स्तनपान कराने वाली माताएं	गर्भवती महिलाएं	बच्चे (0-6 माह)	बच्चे (6 माह-3 वर्ष)	बच्चे (3-6 वर्ष)	आकांक्षी जिलों में किशोरियां
आगर मालवा	60188	2982	3546	2345	21620	29695	0
आलीराजपुर	135942	5367	5610	4916	50027	70022	0
अनुपपुर	70542	3849	4512	3403	25584	33194	0
अशोकनगर	88609	3632	4627	3159	33229	43962	0
बालाघाट	168349	10131	11720	9392	67778	69328	0
बड़वानी	210486	8890	9694	7708	73493	96831	13870
बेतुल	158765	9840	11621	8967	60242	68095	0
भिंड	153467	6488	7032	5515	57234	77198	0
भोपाल	196527	11853	14144	10525	76308	83697	0
बुरहानपुर	89629	5562	5506	5120	32730	40711	0
छतरपुर	242037	11206	12453	9785	82516	108883	17194
छिंदवाड़ा	222113	12702	15867	11774	83945	97825	0
दमोह	165810	7890	8492	6617	52174	66788	23849
दतिया	82975	4957	4372	4803	29984	38859	0
देवास	151989	7318	9782	6428	56570	71891	0
धार	279103	13866	16314	12637	103668	132618	0
डिंडोरी	80851	4495	5253	4209	30008	36886	0
गुना	162962	7509	8801	7048	53494	66680	19430
ग्वालियर	172676	8298	9473	6937	64056	83912	0
हरदा	52916	2764	3344	2346	20285	24177	0
इंदौर	203707	10447	13359	9269	75726	94906	0
जबलपुर	183266	10581	11745	8790	66953	85197	0
झाबुआ	189989	7835	8870	5834	69803	97647	0
कटनी	141556	9595	8186	9076	50819	63880	0
खंडवा(पूर्वी निमाड़)	156447	7814	9165	7217	52717	63310	16224
खरगोन (पश्चिम निमाड़)	209495	12316	13735	11185	78234	94025	0
मंडला	108312	6436	7511	6099	40375	47891	0
मन्दसौर	128780	6997	8346	6031	47704	59702	0

जिला	कुल लाभार्थी	स्तनपान कराने वाली माताएं	गर्भवती महिलाएं	बच्चे (0-6 माह)	बच्चे (6 माह-3 वर्ष)	बच्चे (3-6 वर्ष)	आकांक्षी जिलों में किशोरियां
मुरैना	225412	11383	11472	9456	82658	110443	0
नर्मदापुरम	114581	6847	7743	6076	43266	50649	0
नरसिंहपुर	92524	4684	5948	4009	34061	43822	0
नीमच	77520	4225	4550	3779	28720	36246	0
निवाड़ी	42152	2156	2074	1716	15120	21086	0
पन्ना	117044	6272	6676	5582	41898	56616	0
रायसेन	130876	6878	8444	5790	47692	62072	0
राजगढ़	181612	8877	10145	7523	57053	76526	21488
रतलाम	165916	7705	9619	6555	62224	79813	0
रीवा	261803	13922	16556	11766	94449	125110	0
सागर	241507	11846	15084	10047	89295	115235	0
सतना	218639	12669	13295	10830	80745	101100	0
सीहोर	138068	7510	9768	6341	50603	63846	0
सिवनी	138480	7632	10060	6437	52394	61957	0
शाहडोल	117474	6552	7097	6179	42450	55196	0
शाजापुर	92827	4951	6111	4115	33174	44476	0
श्योपुर	92530	4556	4637	3932	34249	45156	0
शिवपुरी	203486	8415	9480	7207	76105	102279	0
सीधी	137367	6886	8035	5986	49796	66664	0
सिंगरौली	166403	7984	9265	6503	57211	74922	10518
टीकमगढ़	130290	6704	7249	5909	47122	63306	0
उज्जैन	195560	10690	12504	9349	69933	93084	0
उमरिया	61299	3422	3434	2962	22081	29400	0
विदिशा	158454	7636	8764	6288	48955	64963	21848
कुल	7769312	402022	461090	351472	2818530	3591777	144421

आकड़ा पोषण ट्रैकर से लिया गया है (दिनांक 4 फरवरी 2024 तक)

अनुलग्नक - II

"मध्य प्रदेश में कुपोषण से निपटने के लिए पहल" के संबंध में दिनांक 09.02.2024 को लोकसभा सभा में श्री गजेन्द्र सिंह पटेल द्वारा पूछे गए अतारांकित प्रश्न संख्या 1275 के भाग (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

मध्य प्रदेश में पीएमएमवीवाई योजना के तहत लाभार्थियों और भुगतान की गई राशि का जिलावार विवरण इस प्रकार है:

जिला	नामांकित लाभार्थी (पहला बच्चा)	नामांकित लाभार्थी (दूसरा बच्चा)	कुल नामांकित	लाभार्थी भुगतान (पहला बच्चा)	लाभार्थी भुगतान (दूसरा बच्चा)	कुल लाभार्थियों को भुगतान किया गया	भुगतान की गई राशि (पहला बच्चा) - (रुपये में)	भुगतान की गई राशि (दूसरा बच्चा) - (रुपये में)	भुगतान की गई कुल राशि (रुपये में)
	1	2	3 (1+2)	4	5	6 (4+5)	7	8	9(7+8)
कुल	**3776622**	**186755**	**3963377**	**3535288**	**90592**	**3625880**	**15719156000**	**543552000**	**16262708000**
आगर मालवा	28928	1410	30338	26889	803	27692	113784000	4818000	118602000
अलीराजपुर	43280	1896	45176	37692	668	38360	171550000	4008000	175558000
अनुपपुर	31937	2018	33955	29839	829	30668	129728000	4974000	134702000
अशोकनगर	46783	3019	49802	44404	2141	46545	195955000	12846000	208801000
बालाघाट	84610	5936	90546	79919	3283	83202	361162000	19698000	380860000
बड़वानी	78459	6835	85294	72272	3240	75512	317799000	19440000	337239000
बेतुल	80299	4646	84945	75423	2924	78347	334022000	17544000	351566000
भिंड	77621	2219	79840	72283	773	73056	326678000	4638000	331316000
भोपाल	113890	5201	119091	105544	2452	107996	471873000	14712000	486585000
बुरहानपुर	39614	2569	42183	36040	936	36976	161128000	5616000	166744000
छतरपुर	97103	4689	101792	92219	2069	94288	409393000	12414000	421807000
छिंदवाड़ा	109965	5400	115365	103393	3110	106503	459371000	18660000	478031000
दमोह	65929	3387	69316	61031	1134	62165	265240000	6804000	272044000
दतिया	41255	1680	42935	39460	926	40386	178981000	5556000	184537000
देवास	80584	3229	83813	75945	1937	77882	336584000	11622000	348206000
धार	123665	5471	129136	114206	2787	116993	507688000	16722000	524410000
डिंडोरी	38598	2004	40602	36037	1027	37064	156291000	6162000	162453000
पूर्वी निमाड़	66335	3885	70220	61111	722	61833	273276000	4332000	277608000
गुना	71183	3671	74854	67550	2053	69603	298798000	12318000	311116000
ग्वालियर	92790	4142	96932	86156	1566	87722	381210000	9396000	390606000
हरदा	26896	1139	28035	24980	550	25530	106970000	3300000	110270000
इंदौर	186606	10626	197232	172386	4837	177223	774691000	29022000	803713000
जबलपुर	122827	7138	129965	115813	3720	119533	521227000	22320000	543547000
झाबुआ	73378	3581	76959	66816	994	67810	306635000	5964000	312599000

जिला	नामांकित लाभार्थी (पहला बच्चा)	नामांकित लाभार्थी (दूसरा बच्चा)	कुल नामांकित	लाभार्थी भुगतान (पहला बच्चा)	लाभार्थी भुगतान (दूसरा बच्चा)	कुल लाभार्थियों को भुगतान किया गया	भुगतान की गई राशि (पहला बच्चा) - (रुपये में)	भुगतान की गई राशि (दूसरा बच्चा) - (रुपये में)	भुगतान की गई कुल राशि (रुपये में)
	1	2	3 (1+2)	4	5	6 (4+5)	7	8	9(7+8)
कटनी	65576	4006	69582	60973	1817	62790	269362000	10902000	280264000
खरगोन	100291	5812	106103	94102	3286	97388	426260000	19716000	445976000
मैहर	0	0	0	0	0	0	0	0	0
मंडला	49983	3630	53613	46738	2094	48832	203544000	12564000	216108000
मन्दसौर	69090	3350	72440	65633	1778	67411	296108000	10668000	306776000
मऊगंज	1341	894	2235	0	181	181	0	1086000	1086000
मुरैना	99013	3888	102901	92522	1818	94340	414131000	10908000	425039000
नर्मदापुरम	59837	2724	62561	56744	1625	58369	250317000	9750000	260067000
नरसिंहपुर	50212	2567	52779	46346	1061	47407	204926000	6366000	211292000
नीमच	39132	1813	40945	36921	892	37813	159330000	5352000	164682000
निवाड़ी	20982	1002	21984	19735	358	20093	88180000	2148000	90328000
पंधुरना	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पन्ना	54225	2381	56606	51680	1294	52974	228299000	7764000	236063000
रायसेन	68421	2832	71253	63857	1116	64973	277449000	6696000	284145000
राजगढ़	88588	3749	92337	83123	1888	85011	363690000	11328000	375018000
रतलाम	80072	3226	83298	75668	1897	77565	334963000	11382000	346345000
रीवा	109265	3181	112446	103657	1239	104896	468245000	7434000	475679000
सागर	119901	6102	126003	111434	2219	113653	488303000	13314000	501617000
सतना	105144	4934	110078	99195	2638	101833	439174000	15828000	455002000
सीहोर	75576	3215	78791	71792	1552	73344	319646000	9312000	328958000
सिवनी	72674	4075	76749	68393	2063	70456	302525000	12378000	314903000
शाहडोल	55524	2719	58243	52350	1532	53882	228853000	9192000	238045000
शाजापुर	50003	2498	52501	47264	1310	48574	207791000	7860000	215651000
श्योपुर	37482	1576	39058	35575	690	36265	155008000	4140000	159148000
शिवपुरी	93492	4082	97574	88786	2071	90857	405948000	12426000	418374000
सीधी	56432	2502	58934	52599	1067	53666	231596000	6402000	237998000
सिंगरौली	64228	1893	66121	59990	1042	61032	271465000	6252000	277717000
टीकमगढ़	57622	2683	60305	55733	1842	57575	249314000	11052000	260366000
उज्जैन	100380	4813	105193	93970	2269	96239	413913000	13614000	427527000
उमरिया	33935	1744	35679	32312	1017	33329	141738000	6102000	147840000
विदिशा	75666	3073	78739	70788	1455	72243	319044000	8730000	327774000

*****